अनुसूची–१४ –फारम सं0 १६२

आदेश–पत्रक

(देखें अभिलेख हस्तक १६४१ का नियम १२६)

न्यायालय जिला दण्डाधिकारी, सारण, छपरा।

आपूर्ति अपील सं0– 133/2011

गीता प्रसाद सिंह

बनाम

सरकार (मार्फत अनु0 पदा,सोनपुर, सारण।)

आदेश का क्रम–संख्या और तारीख।	आदेश और पदाधिकारी का हस्ताक्षर।	आदेश पर की गई कार्रवाई के बारे में पेशी, तारीख–सहित
16.04.2015	यह माननीय उच्च न्यायालय पटना में दाखिल वाद सं0 14951/2014 में पारित आदेश दिनांक 15.01.15 से संबंधित है। यह अपील वाद अनुमंडल पदाधिकारी, सोनपुर, सारण के ज्ञापांक 1004/आ0 दिनांक 19.11.11 के विरूद्ध दाखिल है। उक्त वाद का संक्षिप्त इतिहास यह है कि दिनांक 25.10.2011 को दरियापुर प्रखंड के सभी पंचायतो के जन वितरण प्रणाली विकेताओं के प्रतिष्ठानों की जॉच विभिन्न जॉच दल के द्वारा कराई गई। दरियापुर प्रखंड के ग्राम पंचायत विश्वम्भरपुर के विकेता श्री गीता प्रसाद सिंह, 60/07 की दूकान की भी जॉच की गई। जॉच के कम में विकेता की दूकान बन्द पाई गई जिसके लिए अनुमंडल पदाधिकारी सोनपुर –सह– अनुज्ञापन पदाधिकारी के ज्ञापांक 943/आ0 दिनांक 11.11.11 के द्वारा विकेता से स्पष्टीकरण पूछा गया। विकेता के द्वारा अपना जवाब प्रस्तुत किया गया। प्राप्त जवाब को असंतोषजनक पा कर विकेता की अनुज्ञप्ति रदद् कर दी गयी, जिसके विरूद्ध विकेता के द्वारा यह अपील वाद लाया गया है। अपीलार्थी अपने विज्ञ अधिवक्ता के साथ उपस्थित हुए। सुनवाई की गई। अपीलार्थी के विज्ञ अधिवक्ता के द्वारा अपना पक्ष प्रस्तुत करते हुए बताया गया कि दिनांक 24.10.11 को डायरीया होने के कारण विकेता को हाजीपुर डॉ0 से दिखाने के लिए जाना पड़ा। विकेता के द्वारा अपने जवाब के साथ चिकित्सक की सलाह पर्ची संलग्न की गई है। अपीलार्थी के विज्ञ अधिवक्ता के द्वारा आगे बताया गया कि एक अन्य मामले में माननीय उच्च न्यायालय पटना के द्वारा आदेश पारित किया गया है कि दूकान के एक दिन बन्द रहने की स्थिति में विकेता की अनुज्ञप्ति को रदद करने जैसी गंभीर सजा देना उचित नहीं है। अतः अपीलार्थी के विज्ञ अधिवक्ता के द्वारा अनुरोध किया गया कि अनुज्ञापन पदाधिकारी के प्रश्नगत आदेश को रदद	

करते हुये अपीलार्थी के अपील आवेदन को स्वीकृत करने की कृपा की जाय।

विज्ञ सरकारी अधिवक्ता के द्वारा बताया गया कि विक्रेता जान बूझकर जॉच के समय अनुपस्थित रहे। अतः उनकी अनुज्ञप्ति को रदद् रखा जाना उचित होगा।

उभय पक्षों को सुनने एवं अभिलेख में रक्षित कागजातों के परिसीलन के उपरान्त मैं इस निष्कर्ष पर पहुँचता हूँ कि अनुज्ञापन पदाधिकारी के द्वारा निर्गत प्रश्नगत आदेश एक मुखर आदेश (Speaking Order) नहीं है। जॉच के कम में दूकान यदि बन्द पाई गई तो अनुज्ञापन पदाधिकारी को चाहिए था कि एक तिथि निर्धारित कर विक्रेता को सभी कागजात एवं पंजियों के साथ कार्यालय में बुलाते एवं उनकी जॉच की जाती और यदि जॉच मे कोई अनियमितता पाई जाती तो कारण पृच्छा करते हुए उनके विरूद्ध आवश्यक कार्रवाई की जानी चाहिए थी। विक्रेता की दूकान से संबंद्ध उपभोक्ताओं का बयान भी जॉच दल के द्वारा नहीं लिया गया है। इससे भी यह स्पष्ट नहीं हो पा रहा है कि क्या विक्रेता के द्वारा विभागीय दिशा निर्देश के आलोक में अनुदानित सामग्री के उठाव एवं वितरण में कोई अनियमितता बरती जा रही थी।

अपीलार्थी को निर्देश है कि भविष्य में कभी भी किसी अपरिहार्य कारणवश यदि वे दूकान पर उपस्थित न हो तो प्राधिकृत प्रतिनिधि के द्वारा दूकान का संचालन अवश्य सुनिश्चित करावें। विभागीय दिशा निर्देश के आलोक में किसी भी परिस्थिति में निर्धारित कार्य अवधि के दौरान दूकान बन्द न रखी जाय। साथ ही, अपनी अनुपस्थिति के संबंध में नियंत्री पदाधिकारी से पूर्व अनुमति अवश्य प्राप्त कर ली जाय।

अनुज्ञापन पदाधिकारी के द्वारा निर्गत प्रश्नगत आदेश को त्रुटिपूर्ण पाते हुए इसे निरस्त किया जाता है एवं अपीलार्थी के अपील आवेदन दिनांक 15.12.11 को स्वीकृत किया जाता है।

वाद निष्पादित।

लेखापित एवं सशोधित

16/4/15
जिला दण्डाधिकारी,
सारण, छपरा।

17/4/15
जिला दण्डाधिकारी,
सारण, छपरा।

ज्ञापांक 256 /न्या० / दिनांक 17/4/15

प्रतिलिपि - अनुमंडल पदाधिकारी, सोनपुर को अभिलेख मूल में संलग्न कर सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यार्थ प्रेषित।

प्रतिलिपि - DIO, NIC, सारण को उक्त आदेश को जिले के website पर upload करने हेतु प्रेषित।

Appurti appeal judgement

वरीय उप समाहर्त्ता
जिला विधि शाखा, सारण
17/4/15